Mindbenz Vedic Values Olympiad (MVVO)

Sample Paper

कक्षा - 8

Maximum Marks: 60 Time Allowed – 55 Minutes

खंड 1: सद्गुण ज्ञान (10 प्रश्न × 1 अंक = 10 अंक)

प्रश्न 1. ब्रह्म मुहूर्त का क्या लाभ माना गया है?

क. शरीर को आराम मिलता है

ख. रात की नींद पूरी होती है

ग. मन शुद्ध होता है और ध्यान सफल होता है

घ. भोजन जल्दी मिल जाता है

प्रश्न 2. संयम का पालन क्यों आवश्यक है?

क. यह समाज में डर पैदा करता है

ख. यह मन की स्थिरता बढ़ाता है

ग. यह केवल संन्यासियों के लिए है

घ. इससे धन में वृद्धि होती है

प्रश्न 3. ध्यान किस उद्देश्य से किया जाता है?

क. आलस्य बढ़ाने हेतु

ख. दिखावे के लिए

ग. आत्म-शुद्धि और मानसिक शांति के लिए

घ. दूसरों को प्रभावित करने के लिए

प्रश्न 4. अद्वैत वेदांत के अनुसार आत्मा और परमात्मा का संबंध क्या है?

क. दोनों अलग हैं

ख. आत्मा ही परमात्मा है

MINDBENZ

ग. आत्मा निम्न और परमात्मा उच्च है

घ. आत्मा असत्य है

प्रश्न 5. गीता के अनुसार 'धर्म' का वास्तविक अर्थ क्या है?

क. पूजा करना

ख. समाज सेवा

ग. अपने कर्तव्यों का पालन

घ. मंदिर जाना

प्रश्न 6. वैदिक दृष्टिकोण में 'कर्म' को किससे श्रेष्ठ बताया गया है?

क. विद्या

ख. भाग्य

ग. पूजा

घ. मौन

प्रश्न 7. मौन साधना से क्या लाभ होता है?

क. आवाज़ साफ़ होती है

ख. विचारों की स्पष्टता आती है

ग. दोस्त बढ़ते हैं

घ. नींद अच्छी आती है

प्रश्न 8. आत्मा को अजर-अमर क्यों माना गया है?

क. वह शरीर से जुड़ी नहीं है

ख. वह ईश्वर से अलग है

ग. वह नष्ट हो सकती है

घ. वह परिवर्तनशील है

प्रश्न 9. स्थितप्रज्ञ व्यक्ति की एक प्रमुख विशेषता क्या होती है?

क. क्रोध करना

ख. हर समय प्रसन्न रहना

ग. सुख-दुख में समान रहना

घ. हर बात पर प्रतिक्रिया देना

MINDBENZ

प्रश्न 10. भक्तिमार्ग में सबसे आवश्यक तत्व क्या माना गया है?

क. कथा सुनना

ख. भजन गाना

ग. समर्पण

घ. व्रत रखना

खंड 2 – व्यावहारिक जीवन में प्रयोग (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक)

प्रश्न 11. परीक्षा में असफल होने के बाद, वैदिक दृष्टिकोण से छात्र को क्या करना चाहिए?

क. प्रयास बंद कर देना

ख. दूसरों को दोष देना

ग. आत्मचिंतन कर अगली बार सुधार करना

घ. भाग्य को दोष देना

प्रश्न 12. यदि कोई व्यक्ति गुस्से में आ जाए, तो वैदिक मूल्य किस उपाय की सलाह देते हैं?

क. चिल्लाना

ख. मौन रहना और धैर्य रखना

ग. बहस करना

घ. गुस्से को दबाना नहीं

प्रश्न 13. ध्यान कब करना सबसे उचित समय माना गया है?

क. दोपहर 1 बजे

ख. रात 12 बजे

ग. ब्रह्म मुहूर्त में

घ. सुबह 10 बजे

MINDBELL

प्रश्न 14. अपने जीवन में गीता का कौन-सा श्लोक प्रेरणा देता है?

क. 'यथा राजा तथा प्रजा'

ख. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'

ग. 'जननी जन्मभूमिश्च'

घ. 'सर्वे भवन्तु सुखिनः'

प्रश्न 15. किसी बुज़ुर्ग की सेवा करना कौन से मार्ग में आता है?

क. भक्ति मार्ग

ख. ध्यान मार्ग

ग. कर्म मार्ग

घ. योग मार्ग

प्रश्न 16. संयम रखने का परिणाम क्या होता है?

क. क्रोध बढ़ता है

ख. मानसिक संतुलन बढ़ता है

ग. ऊर्जा घटती है

घ. समाज विरोधी प्रवृत्ति

प्रश्न 17. किसी छात्र ने दूसरों की मदद की, इसका क्या वैदिक महत्व है?

क. स्वार्थ

ख. अहंकार

ग. सेवा भाव

घ. भय

प्रश्न 18. भाग्य और कर्म के बीच क्या संबंध है?

क. केवल भाग्य ही फल देता है

ख. केवल पूर्वजन्म का असर है

ग. कर्म ही भाग्य बनाता है

घ. दोनों का कोई संबंध नहीं

प्रश्न 19. 'संतोष' किसका मूल है?

क. आलस्य

MINDBENZ

ख. सुख

ग. क्रोध

घ. दुख

प्रश्न 20. ध्यान के अभ्यास से क्या नहीं होता?

क. मन की चंचलता घटती है

ख. तनाव कम होता है

ग. एकाग्रता बढ़ती है

घ. आलस्य बढ़ता है

खंड 3 – आत्मचिंतन एवं गहन विचार (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

प्रश्न 21 से 30 – गद्यांश आधारित (Comprehension)

गद्यांश (संदर्भ):
"गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं – 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।' इसका तात्पर्य है कि व्यक्ति का अधिकार केवल कर्म करने में है, फल की चिंता उसे नहीं करनी चाहिए। इस श्लोक में जीवन की सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा छिपी है – निष्काम कर्म। यदि व्यक्ति प्रत्येक कार्य को पूजा समझ कर करें, तो सफलता निश्चित है। जब हम फल की अपेक्षा करते हैं, तो मन में चिंता, भय, और मोह जन्म लेते हैं। जबकि वैदिक मूल्य सिखाते हैं कि कार्य ही धर्म है और वह निष्काम हो तो श्रेष्ठतम फल स्वतः प्राप्त होते हैं।"

प्रश्न 21. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' श्लोक का क्या संदेश है?

- क. फल की चिंता करो
- ख. केवल परिणाम को सोचो
- ग. केवल कर्म पर ध्यान दो
- घ. भाग्य पर भरोसा करो

प्रश्न 22. गीता में किसके लिए यह उपदेश दिया गया था?

- क. अर्जुन
- ख. भीष्म

- ग. द्रोण
- घ. युधिष्ठिर

प्रश्न 23. 'निष्काम कर्म' का अर्थ क्या है?

- क. बिना योजना के कर्म
- ख. फल की इच्छा से कर्म
- ग. निःस्वार्थ कर्म
- घ. केवल धन पाने का कर्म

प्रश्न 24. फल की चिंता करने से क्या होता है?

- क. मन स्थिर रहता है
- ख. डर और मोह बढ़ते हैं
- ग. शांति मिलती है
- घ. सफलता तुरंत मिलती है

प्रश्न 25. वैदिक मूल्य कार्य को किस रूप में देखते हैं?

- क. मजबूरी
- ख. प्रतियोगिता
- ग. पूजा
- घ. साधन

प्रश्न 26. किस आधुनिक जीवन मूल्य से यह श्लोक जुड़ा है?

- क. सहनशीलता
- ख. उद्देश्यहीनता
- ग. कार्य के प्रति समर्पण
- घ. प्रतिस्पर्धा

प्रश्न 27. कार्य को पूजा समझ कर करने से क्या प्राप्त होता है?

- क. आलस्य

MINDBENZ

- ख. चिंता
- ग. सफलता
- घ. मोह

प्रश्न 28. गीता के अनुसार मन की शांति कैसे मिलती है?

- क. दूसरों की आलोचना करके
- ख. कामना रहित कार्य करके
- ग. फल की चिंता करके
- घ. भाग्य पर निर्भर होकर

प्रश्न 29. विद्यार्थियों के लिए इस श्लोक का क्या महत्व है?

- क. पढ़ाई छोड़नी चाहिए
- ख. केवल अंकों पर ध्यान देना चाहिए
- ग. मेहनत करना और फल की चिंता छोड़ना
- घ. केवल प्रतियोगिता जीतना

प्रश्न 30. सफलता प्राप्त करने का वैदिक मार्ग क्या है?

- क. चमत्कार की आशा
- ख. भाग्य का भरोसा
- ग. कर्म और संयम
- घ. प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या

प्रश्न 31. वैदिक मान्यता के अनुसार आत्मा क्या है?

- क. नश्वर
- ख. अजर-अमर
- ग. केवल कल्पना
- घ. शरीर की शक्ति

प्रश्न 32. 'साक्षी भाव' का क्या अर्थ है?

MINDBENZ

- क. निर्णय लेना
- ख. प्रतिक्रिया देना
- ग. निरीक्षण करना बिना पक्षपात के
- घ. भाग लेना

प्रश्न 33. तीनों मार्गों (कर्म, भक्ति, ज्ञान) में संतुलित कौन-सा है?

- क. भक्ति मार्ग
- ख. केवल ध्यान मार्ग
- ग. कर्म मार्ग
- घ. त्रिक मार्ग (तीनों का समन्वय)

प्रश्न 34. श्रीराम से हम कौन-सा मूल्य सीखते हैं?

- क. घमंड
- ख. वचन पालन
- ग. क्रोध
- घ. प्रतिस्पर्धा

प्रश्न 35. ध्यान और प्राणायाम किस प्रकार सहायक होते हैं?

- क. बाहरी सौंदर्य के लिए
- ख. आलस्य के लिए
- ग. मानसिक और आत्मिक विकास के लिए
- घ. केवल नींद बढ़ाने के लिए

प्रश्न 36. अद्वैत वेदांत किस पर बल देता है?

- क. द्वैत
- ख. अलग-अलग देवों की पूजा
- ग. आत्मा और परमात्मा की एकता
- घ. केवल कर्म

MINDBENZ

प्रश्न 37. आदि शंकराचार्य का प्रमुख दर्शन क्या था?

- क. द्वैतवाद
- ख. अद्वैतवाद
- ग. व्यवहारवाद
- घ. ज्ञानहीनता

प्रश्न 38. “संतोषम परमं सुखम्” का अर्थ क्या है?

- क. संतोष दुख की जड़ है
- ख. लालच सबसे बड़ा सुख है
- ग. संतोष ही परम सुख है
- घ. संतोष व्यर्थ है

प्रश्न 39. कर्म से भाग्य कैसे बदला जा सकता है?

- क. अच्छे कार्य करने से
- ख. केवल पूजा से
- ग. दूसरों पर निर्भर रहकर
- घ. कुछ किए बिना

प्रश्न 40. एक छात्र को वैदिक मूल्य कब अपनाने चाहिए?

- क. केवल परीक्षा में
- ख. जीवन के हर पहलू में
- ग. जब बड़ों का डर हो
- घ. जब लाभ मिले

MINDBENZ

✅ उत्तर कुंजी (Answer Key)

खंड 1

प्रश्न 1: (ग)

प्रश्न 2: (ख)

प्रश्न 3: (ग)

प्रश्न 4: (ख)

प्रश्न 5: (ग)

प्रश्न 6: (ख)

प्रश्न 7: (ख)

प्रश्न 8: (क)

प्रश्न 9: (ग)

प्रश्न 10: (ग)

खंड 2

प्रश्न 11: (ग)

प्रश्न 12: (ख)

प्रश्न 13: (ग)

प्रश्न 14: (ख)

प्रश्न 15: (ग)

प्रश्न 16: (ख)

प्रश्न 17: (ग)

प्रश्न 18: (ग)

प्रश्न 19: (ख)

प्रश्न 20: (घ)

MINDBENZ

खंड 3

प्रश्न 21: (ग)

प्रश्न 22: (ख)

प्रश्न 23: (ग)

प्रश्न 24: (ख)

प्रश्न 25: (ग)

प्रश्न 26: (ग)

प्रश्न 27: (ग)

प्रश्न 28: (ख)

प्रश्न 29: (ग)

प्रश्न 30: (ग)

प्रश्न 31: (ख)

प्रश्न 32: (ग)

प्रश्न 33: (घ)

प्रश्न 34: (ख)

प्रश्न 35: (ग)

प्रश्न 36: (ग)

प्रश्न 37: (ख)

प्रश्न 38: (ग)

प्रश्न 39: (क)

प्रश्न 40: (क)

MINDBENZ